

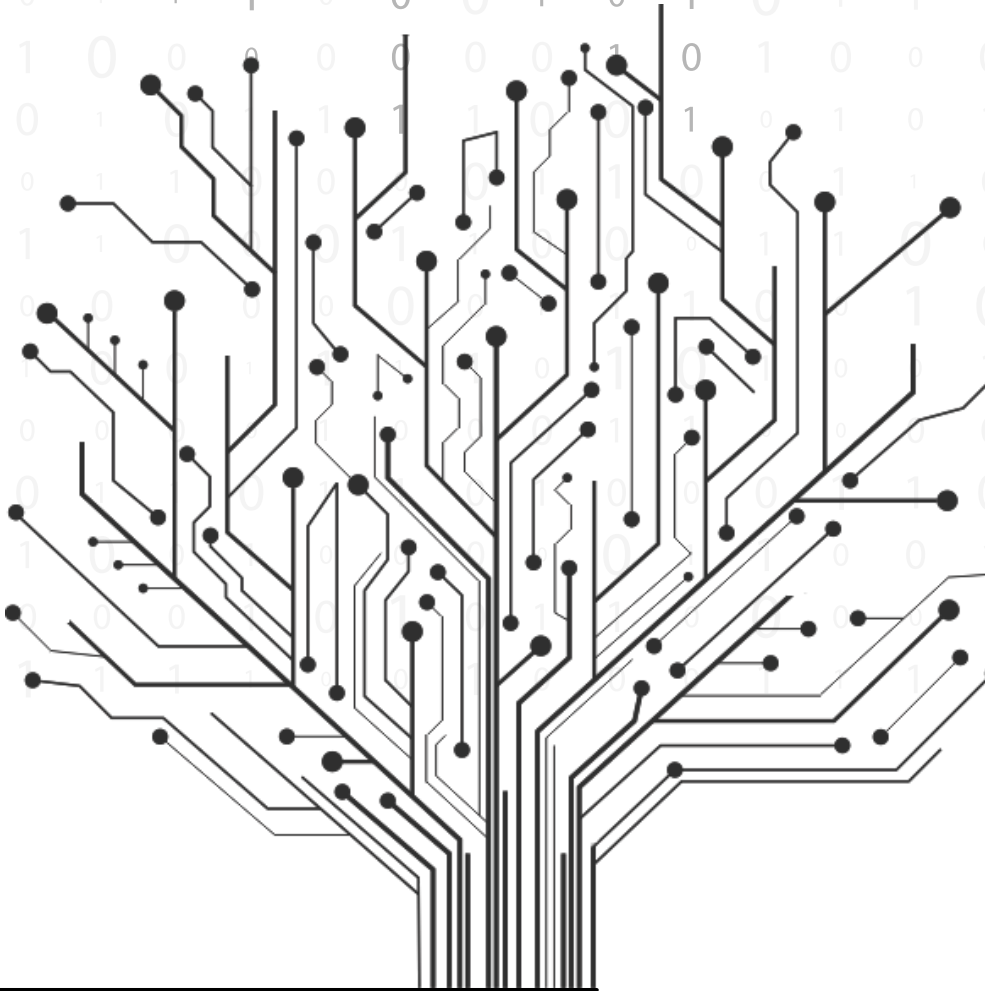
FIS PRESENTS
APOGEE 2022
THE ENCRYPTED DIMENSION
IN ASSOCIATION WITH CISCO
POWERED BY BOLT
7TH - 10TH APRIL



प्रवाह

हिन्दी प्रेस क्लब

दिवस-0, अंक-1



अंदर पढ़िए

- संपादकीय - 1
- चीफ़ वार्डन से साक्षात्कार - 2
- अपोजी पर एक खास मंत्रणा - 3
- उद्घाटन समारोह - 4

संपादकीय

फर्ज़ कीजिए कि आप अपने पहले अपोजी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। फर्ज़ कीजिए कि उसी के बीच आपको घर जाने कह दिया जाए; वह भी एक-दो दिन के लिए नहीं, अपितु पूर्ण दो साल! हाँ, मैं एक **2019** बैच का अभागा बिट्सियन हूँ, जिसने कैंपस घूमने के उम्र में मेटल से बचने के ग्रुप खोजे हैं, जिसने ऑल-नाइटर के बाद नूतन की मैगी खाने से ज़्यादा मम्मी की डाँट और पापा के ताने सुने हैं।

ऐसे में वापस आने का बुलावा किसी भटकते लावारिस फ़ेस्ट को स्पॉन्सर मिलने से कम न था। जिस दिन अपोजी के इस संस्करण की घोषणा हुई थी, उस दिन यह तो मुझे समझ आ गया था कि इस अपोजी काफ़ी यादें ताज़ा होने वाली हैं। दो साल बाद हो रहे फ़ेस्ट तासीर ही कुछ ऐसी होती है कि लोगों को उनके बिताए कुछ ऐसे पल याद आ जाएँ जो सदैव यादों की अलमारी में छुपे हुए थे।

बचपन में दादी-नानी की कहानी हो या जीवन के वे पाँच सत्य, हर एक चीज़ को याद दिलाना मानो इस अपोजी का मकसद ही है। कुर्सियों का खेल तो किसी रियासत में नया नहीं है, और खासकर हमने तो कुर्सी के लिए एक लंबी कतार को तड़पता हुआ भी देखा है। म्यूज़िक क्लब ने समां तो सही बांधा था, पर यह नहीं पता था कि अंत तक वे म्यूज़िकल चेयर का खेल भी याद करा देंगे।

पी. सी. टी. के नारे हों या बिट्सियन एलुमनाई की ज़ोरदार दहाड़, अपोजी के डे ज़ीरो ने आपको और हमको ये विश्वास तो ज़रूर दिला दिया है कि **cutoffs** चाहे कितने ही गिरें, जोश तो सदैव **"high"** ही रहेगा। यू. पी., बिहार तो कड़ियों ने लूट लिया, अब आपकी और हमारी बारी है इन तीन दिनों के **bio - bubble** में ज़िंदगी के वो तीन साल जी ले जो चुटकी भर में हमसे छिन गए।

आशा है कि किसी का जोश गुप्त न रहे, और चाय-सुट्टे की दुनिया से दूर, टोस्ट को एक नया मौका आप भी दें, और उनसे भी उम्मीद है कि वे बिना लड़खड़ाए आशाओं की सीढ़ी चढ़ पाएँ।

चीफ़ वार्डन से साक्षात्कार

हिंदी प्रेस क्लब ने 'अपोजी-2022' के बारे में जानने के लिए चीफ़ वार्डन प्रो. नवीन सिंह से बातचीत करी। इस साक्षात्कार में उन्होंने तीन साल बाद ऑफलाइन हो रहे इस अपोजी के बारे में बताया एवं इसमें आने वाली सभी समस्याओं कि जानकारी साझा करी।

प्रश्न: अपोजी-2022 की तैयारी कब शुरू हुई और इसकी प्रगति कैसी है?

उत्तर: अपोजी को ऑफलाइन कराने का पहला प्रस्ताव दिसम्बर महीने में रखा गया था। **COVID-19** की अप्रत्याशित स्थिति होने के कारण इसे खारिज कर दिया गया था और कुछ समय बाद ही तीसरी लहर आने के कारण कॉलेज को भी बंद करना पड़ा। बाद में कॉलेज वापिस खुलने एवं स्थिति ठीक लगने पर उस प्रस्ताव को स्वीकार करा गया जिसके चलते छात्रों को इवेंट की तैयारी करने का काफ़ी कम समय मिला। इसकी प्रगति काफ़ी अच्छी चल रही है और सभी छात्र इसको सफल बनाने का काफ़ी प्रयास कर रहे हैं।

प्रश्न: आपके अनुसार तैयारी में मिले इस कम समय का इवेंट पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर: **OASIS** की तुलना में अपोजी एक छोटे पैमाने पर होने वाला इवेंट है जिस कारण कम समय होने के बावजूद भी तैयारियाँ सुचारू रूप से हो रही है।

प्रश्न: तीन साल बाद इवेंट ऑफलाइन होने के कारण प्रशासन को किन-किन कठिनाईयों का सामना करना पड़ा?

उत्तर: इवेंट की तैयारी में कोई बड़ी चुनौती नहीं थी और ऑनलाइन मोड से ऑफलाइन में परिवर्तन काफ़ी सहज था। एकमात्र चुनौती जिसका हमें सामना करना पड़ा वह थी कक्षाओं कि देख-रेख करना। प्रथम वर्ष के छात्रों को इस वर्ष **OAC** और **NAC** में विभाजित किया गया था जिस कारण समय सारिणी में खाली समय का अभाव था। **AUGSD** ने इस चुनौती में एक अच्छा समर्थन प्रदान किया। **CRTO, SWD** और निर्देशक, प्रशासन में सभी ने इवेंट को आयोजित कराने में बहुत सहयोग दिखाया।

प्रश्न: इवेंट का आयोजन कराने में प्रशासन ने किस प्रकार **COSTAA** की सहायता करी?

उत्तर: अपोजी एक छात्रों द्वारा आयोजित किये जाने वाला इवेंट है और इसमें **COSTAA** एक अहम भूमिका निभाता है। इसलिए जब भी उन्होंने किसी भी प्रकार की मदद माँगी, प्रशासन हमेशा उनके साथ था और उचित लगने वाली हर श्रेणी में मदद प्रदान करी।

प्रश्न: इवेंट में भाग ले रहे सभी छात्रों को संबोधि करते हुए आप क्या कहना चाहेंगे ?

उत्तर: यह उत्सव वास्तव में सफल होगा क्योंकि छात्र पिछले दो वर्षों से किसी भी उत्सव में शामिल नहीं हो पाए हैं। छात्र बहुत अधिक होंगे और इसलिए भागीदारी भी खूब होगी। चूंकि यह एक तकनीकी उत्सव है, इसलिए मनोरंजन के साथ-साथ आपका प्राथमिक ध्यान, आयोजन की शिक्षा और तकनीक पर होना चाहिए। इसके साथ ही आपको आवश्यक सावधानियाँ भी बरतनी चाहिए और किसी भी स्थिति में घबराना नहीं चाहिए।

अपोजी पर एक खास मंत्रणा

बिट्स की फ़िज़ाओं में गर्मजोशी और स्फूर्ति का माहौल देखकर गाँधी भवन के पास खड़े सरदार पटेल का कौतूहल इस कदर बढ़ गया कि वे अपने मन में सवालियों और व्याकुलता का समुद्र समाए अपनी जगह पर ठहर नहीं पा रहे थे। अंततः उनके अंदर की सुनामी ने उन्हें अपनी जगह छोड़ने पर विवश कर ही दिया और वे चल पड़े इस सत्य की तलाश में कि आखिर कैम्पस में बच्चों की भागा-दौड़ी का कारण क्या है? अभी बुद्ध भवन के नज़दीक पहुंचे ही थे कि पीछे से आवाज़ आई, "पटेल कहाँ दौड़े चले जा रहे हो इतनी जल्दी में?" सरदार ने पीछे मुड़कर देखा तो वहाँ से हाथ में लाठी और सरपट चाल के साथ गाँधी बापू चले आ रहे थे। पटेल दौड़े-दौड़े बापू के पास पहुंचे और हांफते हुए बोले, "लगता है बिट्स पर कोई संकट आने वाला है। देखो सभी बच्चे कैसे इधर से उधर जाते हुए दिखाई पड़ रहे हैं।" बापू हँसने लगे और बोले, "संकट? क्या पटेल तुम भी!"

"बापू आप हंसिए मत और मेरी उद्विग्नता को शांत कीजिए। आखिर ऐसी क्या बात है जो बच्चे कभी **SAC** तो कभी **ANC**, कभी रोटुंडा तो कभी लाइब्रेरी, जहाँ देखो वहाँ मंत्रणा ही कर रहे हैं, पता नहीं क्या माजरा है? अभी कुछ दिन पहले तक तो सब परीक्षा के कारण दिन रात पढ़ रहे थे और अब अचानक क्या घटना हो गयी? मुझे तो चिंता हो रही है।"

बापू थोड़ा मुस्कराते हुए बोले, "पटेल जी लगता है आपकी भी उम्र हो गयी है। आप को भी अब बातें याद नहीं रहती हैं। अरे अपोजी आने वाला है और यह सब उसी की तैयारियां चल रही हैं। कोई संकट नहीं है, चिंतित न हो।" सरदार सर पर हाथ रखते हुए धीमी आवाज़ में बोले, "हाँ बापू लगता है अब मुझे किसी अच्छे वैद्य के पास जाना ही पड़ेगा। मैं बिट्स के इतने बड़े टेकफेस्ट अपोजी को कैसे भूल गया? हाय रे मेरी बुद्धी। खैर अपोजी है तो मतलब अब एक बार फिर से धमाल, मस्ती और मज़े से स्पर्धाओं का मौसम लौट आया है। अब मायूसी के बादल छटेंगे और उत्साह की खिलखिलाती धूप बिट्स के आंगन में फ़ैलेगी। कितना आनंद आने वाला है!"

बापू भी हर्षित होकर बोले, "हाँ, यह बात तो है आनंद तो आएगा। अन्य कॉलेज के बच्चे आएँगे विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लेंगे और पुरस्कार जीतेंगे। खुशियों का एक वातावरण बन जाएगा। वैसे तुम्हें पता है कि इस वर्ष अपोजी का विषय क्या होगा?" पटेल थोड़ा सर झुका कर बोले, "क्या बापू आप भी, जिस व्यक्ति को अपोजी का पता नहीं था उसे उसके विषय का क्या पता होगा। आप ही...." पटेल इससे आगे कुछ बोलते तभी पीछे से आवाज़ आई, "**The Encrypted Dimension**" दोनों ने मुड़कर देखा तो उधर जी.डी. बिरला तेज़ कदमों से उन्हीं दोनों की ओर चलते चले आ रहे थे। पास आने पर बापू ने पूछा, "क्या बात है बिरला एक दम सही उत्तर दिया परन्तु आप यहाँ कैसे?"

अपने उत्साह को सँभालते हुए जी.डी. बिरला बोले, "बापू हमारे कॉलेज का इतना उत्कृष्ट और विशाल कार्यक्रम हो और मैं ना आऊँ ऐसा कभी नहीं हो सकता।" बापू हँसते हुए कहने लगे, "हाँ यह बात तो आपने सोलह आने सच कही..." इतने पर पटेल ने टोकते हुए कहा, "चलिए बापू यहाँ से चलते हैं वो देखिये बच्चे कुछ चर्चा कर रहे हैं। अवश्य ही अपोजी को लेकर होगी हमें उन्हें सहती से बात करने देनी चाहिए। बिरला जी आप भी चलिए हम कहीं और जाकर बात करते हैं।"

फ़िर तीनों वहाँ से गुन-गुनाते हुए जाते हैं 'ऑनलाइन वाले दिन बीते रे भैया अब ऑफलाइन आयो रे। बिट्स में अपोजी का मौसम आ...आयो रे।"

उद्घाटन समारोह

वर्ष **1982** में बिट्स पिलानी के परिवार ने पहली बार अपोजी की जादुई दुनिया का अनुभव किया था। इस साल अपोजी के चालीसवें जन्मदिन की शुरुआत एक संगीत प्रस्तुति से हुई जो म्यूज़िक क्लब द्वारा आयोजित की गयी।

गीतों की सरगमों की आनंददायक प्रस्तुति के बाद अपोजी के एक प्रयोजन **'FIS'** के प्रधान ने बिट्स और **FIS** की सहकार्यता पर अपनी खुशी जताई। वे भी बिट्स पिलानी के ही छात्र हुआ करते थे और **25** साल बाद वापस कैम्पस में आने पर बेहद उत्साहित थे।

संचालक के भाषण के बाद मुख्य अतिथि का स्वागत हुआ। उद्घाटन के मुख्य अतिथि डॉ. अजय कुमार थे जो रक्षा विभाग में सचिव हैं। इसके पश्चात **COSTAA** के सभी सदस्यों के मज़ेदार परिचय कराए गए और फिर उन सब ने स्टेज पर अपनी निर्धारित जगहें गृहण कर लीं। डॉ. अजय कुमार और बिट्स पिलानी के निर्देशक डा. सुधीर कुमार बरई द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। डा. सुधीर कुमार बरई ने अपने आमंत्रण के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया, और अपोजी **2022** के लिए मंगल कामना की। अजय कुमार ने अपनी बातों में अपोजी **2022** की प्रशंसा की और फेस्ट देखकर उन्हें अपने कॉलेज की दिनों को याद किया और अपने आत्मबल को हमेशा बुलंद रखने को कहा। उन्होंने आगे कहा कि देश के लिए दिए गए बलिदान सर्वश्रेष्ठ है और हम उसका ऋण कभी भी चुका नहीं सकते हैं। उन्होंने बिट्स पिलानी के स्टार्टअप रेड-बस और स्विगी की तारीफ़ की जो आज अपने आप को सफल बनाने में कामयाब रही। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए जनरल सेक्रेटरी ने भाषण में बिट्स पिलानी के लोगों के प्रति धन्यवाद प्रकट किया। कार्यक्रम का दिलचस्प अंत माईम क्लब और डांस क्लब की प्रस्तुति द्वारा हुआ। माईम क्लब ने कोविड के विषय को लेकर एक हास्य प्रस्तुति दी और डांस क्लब ने समारोह का अंत अपनी प्रशंसनीय प्रस्तुति देकर की।

अपोजी के प्रोफ शोज़

इस वर्ष अपोजी **2022** में विज्ञान से लेकर स्पोर्ट्स और मनोरंजन के क्षेत्र तक के एक से बढ़कर एक दिग्गज वक्ताओं को आमंत्रित किया गया है। इन्हीं प्रोफ शोज़ की संक्षिप्त सूची निम्नलिखित हैं।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइज़ेशन(**WHO**) में एक प्रमुख वैज्ञानिक, हमारी पहली वक्ता, डॉ सौम्या स्वामीनाथन **TB** एवं **HIV** के क्षेत्र में अपने कार्य के लिए प्रसिद्ध हैं। वे **10** अप्रैल को दोपहर **12:30** बजे **NAB AUDITORIUM** में हमसे ऑनलाइन जुड़ेंगी। उनके व्याख्यान को **YOUTUBE** पर भी **LIVE** प्रकाशित किया जाएगा।

अगली वक्ता जैनब नागिन कॉक्स है जो **US** में अंतरिक्ष-यान और संचालन इंजीनियर हैं और उन्हें इसी क्षेत्र में अपने कार्य के लिए नासा असाधारण सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। उनके सम्मान में एक एस्टेरोइड का नाम **14061 NAGINCOX** रखा गया है। **9** अप्रैल को शाम **5** बजे **MAIN AUDITORIUM** में वे हमसे ऑफलाइन जुड़ेंगी।

विश्व प्रसिद्ध लेखक एवं **UK** संसद के भूतपूर्व सदस्य, जेफ़री आर्चर, हमसे **8** अप्रैल को शाम **5:30** बजे **NAB AUDITORIUM** में ऑनलाइन जुड़ेंगे और उनके व्याख्यान को **YOUTUBE** पर भी देखा जा सकता है। इतने विख्यात लेखक को सुनने के इस अवसर को खोईएगा मत!

डॉ हेनरी थ्रूप, जो की पहली प्लूटो मिशन टीम, न्यू होराइज़न्स के सदस्य थे और जिन्होंने **2012** में प्लूटो के सबसे छोटे चंद्रमा, **STYX** के खोज करी उन्हें स्वागत करने का सौभाग्य **BITS** को मिल रहा है। उनके व्याख्यान को **8** अप्रैल दोपहर **12** बजे **NAB AUDITORIUM** और **YOUTUBE** पर **LIVE** प्रकाशित किया जाएगा।

दीपा मालिक, जो की पैरालिम्पिक खेल में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं, **MAIN AUDITORIUM** में **10** अप्रैल को दोपहर **4:30** बजे हमसे ऑफलाइन जुड़ेंगी। सुश्री दीपा को पद्मश्री और अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

WHEN CHAI MET TOAST, जो की हाल ही में प्रसिद्ध हुआ एक इंडी बैंड है, वो अपने प्रसिद्ध गानों से सबके चेहरों पर खुशी लाने, **8** अप्रैल रात **9:30** बजे **SOUTH PARK** में अपना प्रदर्शन कर रहे हैं।

SUNBURN CAMPUS, जो की सनबर्न फेस्टिवल का एक रूपांतर है, लौस्ट स्टोरीज़ और विराट मुंजाल के साथ **8** अप्रैल को रात **9:30** बजे **SOUTH PARK** में अपना कार्यक्रम कर रहे हैं।

प्रसिद्ध स्टैंड अप कलाकार आकाश गुप्ता और प्रत्युष चौबे '**N20: द किलर कामेडी नाईट**' में अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सबको हँसाने आ रहे हैं। **10** अप्रैल को **9:30** बजे **MAIN AUDITORIUM** में सभी को इनका इंतज़ार रहेगा।



अपोजी हिन्दी प्रेस

नितिन,

माणिक्य, वत्सल, प्रत्युष, मनाल, मोहनीश, मानस, आकाश, आदित्य, अनुज

परीश्री, हेमांग, आर्यन, अदिति, भूषण, हार्दिक, संस्कार, लाम्बा, हर्ष, वासु, रेहान,
शाल्मली,

देव, ऋत्विक, आकाश, सर्वेश, आरुषी, आर्यमन, सूरज, जैनम, आर्ची,
निशिका, भव्य, हिमांशी, आदित्य

मौलि, अमृत, मल्लिका, वैभव, सर्वाक्ष, वैष्णवी,
वैभवराज, चेतन